शिविर उन्नत बीज उत्पादन एवं फसल सघनीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में करनाल, कैथल व सोनीपत से पहुंचे किसान

'नए बीजों के प्रयोग से किसान बढ़ा सकते हैं फसलों का उत्पादन'

भास्कर न्यूज | करनाल

केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान करनाल में किसानों की आय दोगुना करने के लिए उन्नत बीज उत्पादन एवं फसल सघनीकरण पर चल रहा दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुक्रवार को समापन हुआ।

प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. प्रवेंद्र श्योराण ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम द्वारा किसानों को धान और गेहूं फसलों में व्यावसायिक बीज उत्पादन की तकनीकियों के बारे में बताया गया। इसके साथ-साथ गन्ना आधारित फसल सघनीकरण पर कौशल विकास के बारे में जानकारी दी गई, ताकि किसान आत्मनिर्भर और सफल बीज उद्यमी के रूप में विकसित हो सकें। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में करनाल, कैथल एवं सोनीपत जिले के 21 किसानों ने हिस्सा लिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय कार्यालय करनाल के अध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार पंडिता रहे। उन्होंने किसानों को बताया कि बीज उन्नत कृषि का मुख्य आधार है और किसी भी फसल की पैदावार सबसे पहले उस किस्म के बीज की गुणवत्ता पर निर्भर करती है। डॉ. पंडिता ने व्यावसायिक बीज उत्पादन के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं के बारे में अपने विचार सांझा किए। कार्यक्रम में डॉ.अनिल कुमार, अनिता मान, अश्वनी कुमार, कैलाश प्रजापत, आर राजू मौजूद रहे।

करनाल. प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों को जानकारी देते डॉ. प्रवेंद्र श्योराण।

कई किसान करते हैं पुराने बीजों का प्रयोग, पड़ता प्रतिकूल असर

संस्थान के कार्यकारी निदेशक एमजे कलकढोणकर ने बताया कि लगभग एक-तिहाई किसान अब भी पुरानी किस्मों का अपना बचाया हुआ बीज ही उपयोग करते हैं जिससे पैदावार क्षमता पर प्रतिकूल असर पड़ता है। यह अच्छी तरह स्थापित है कि अकेले गुणवता बीज के उपयोग से ही 10-15 प्रतिशत उत्पादन में वृद्धि कर सकते हैं।